दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष–२ ला | अंक–१०४ वा | मंगळवार ७ एप्रिल २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने – ४

अंबाजोगाई के स्वामी रामानंद तीर्थ शासकीय ग्रामीण वैद्यकीय महाविद्यालय में पीजी छात्र की आत्महत्या

अंबाजोगाई (बीड), ताहेर चाउस कि रिपोर्ट ६ अप्रैल २०२६ (प्रतिनिधि) – स्वामी रामानंद तीर्थ शासकीय ग्रामीण वैद्यकीय महाविद्यालय (SRTR GMC) में त्वचा रोग (Dermatology) विषय में पदव्युत्तर (PG) द्वितीय वर्ष के छात्र मंदार उमेश दाभाडे (उम्र २८ वर्ष, मूल निवासी पुणे) ने सोमवार सुबह लगभग ५ बजे अपने किराए के कमरे में पंखे से गळफास लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से अंबाजोगाई शहर तथा पूरे चिकित्सा क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और शोक की लहर दौड़ गई है।

मंदार अंबाजोगाई–चनई रोड स्थित संत रविदास नगर (रोहिदास नगर) इलाके में एक इमारत की तीसरी मंजिल पर किराए के कमरे में रहता था। घटना से पहले उसने अपने मकान मालिक को झहेपशझश के माध्यम से तीन हजार रुपये का किराया भेज दिया था। इसके बाद उसने अपने भाई को मोबाइल पासवर्ड का मैसेज भेजा। आत्महत्या से पहले उसने मुंह पर रुमाल बांध रखा था, जो प्रारंभिक जांच में सामने आया है।

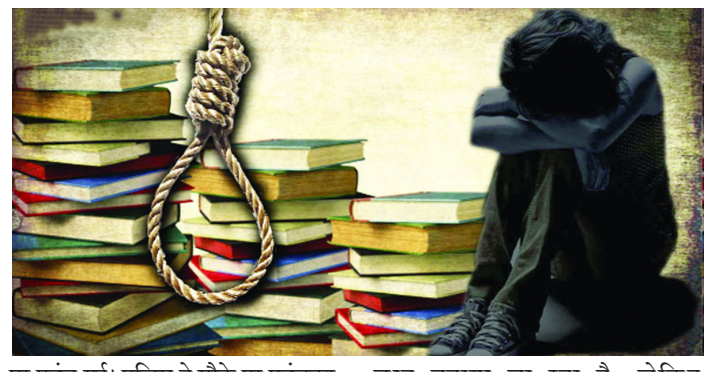

घटना की सूचना मिलते ही महाविद्यालय के डॉक्टरों, कर्मचारियों तथा छात्रों की बड़ी संख्या में घटनास्थल

पर पहुंच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा शुरू कर दिया है और फॉरेंसिक टीम को सबूत संग्रह के लिए बुलाया गया है। मंदार को मिलनसार और होनहार छात्र बताया जा रहा है, लेकिन आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस गहन जांच कर रही है।

अंबाजोगाई मेडिकल कॉलेज में छात्रों की पिछली आत्महत्या की रिपोर्ट

स्वामी रामानंद तीर्थ शासकीय ग्रामीण वैद्यकीय महाविद्यालय (डठढठ ऋच्चउ), अंबाजोगाई में छात्रों की आत्महत्या के मामले दुर्लभ रहे हैं। उपलब्ध सार्वजनिक रिपोर्ट्स और समाचारों के अनुसार, इस महाविद्यालय में छात्रों की आत्महत्या के केवल कुछ ही दर्ज मामले सामने आए हैं।

२०१६: एक १९ वर्षीय चइइड छात्रा ने महाविद्यालय परिसर में आत्महत्या कर ली थी (जंप करके)। यह मामला उस समय काफी चर्चित हुआ था।

वर्तमान घटना (मंदार दाभाडे, २०२६) को मिलाकर कुल दो प्रमुख छात्र आत्महत्या के मामले रिपोर्टेड हैं। महाविद्यालय मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है और यहां चइइड तथा झत्रः कोर्स चलते हैं।

महाविद्यालय के फॉरेंसिक विभाग में असामान्य मौतों (पिपरींीरश्र वशरींही) और हैंगिंग मामलों पर कई रिसर्च स्टडीज प्रकाशित हुई हैं, लेकिन ये सामान्य आबादी (खासकर किसानों) से संबंधित हैं, न कि महाविद्यालय के छात्रों से। छात्रों के बीच आत्महत्या के कई मामले रिपोर्ट नहीं हुए हैं। चिकित्सा शिक्षा में पढ़ाई का दबाव, मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे आदि ऐसे मामलों के सामान्य कारण माने जाते हैं।

अल–खैर पुलिस भर्ती ट्रेनिंग सेंटर की शानदार परंपरा बरकरार; ८ छात्रों की सफलता पर सम्मान

बीड: संवाददाता

अल–खैर मल्टी पर्पज फाउंडेशन, बीड के तहत संचालित 'अल–खैर पुलिस भर्ती ट्रेनिंग सेंटर' ने इस वर्ष भी अपनी सफलता की परंपरा को जारी रखा है। इस साल अब तक ट्रेनिंग सेंटर के ८ छात्रों का महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में पुलिस फोर्स के लिए चयन हो चुका है। इनकी सफलता के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह की अध्यक्षता एपेक्स चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, बीड के डायरेक्टर मोमिन खालिद सर ने की। नवनिर्वाचित छात्रों को प्रोत्साहित करने और सम्मानित करने के लिए प्रसिद्ध उद्योगपति मुदस्सर सेठ, सप्तरंग फाउंडेशन के डायरेक्टर अरबाज पठान, असलम बागबान, हजरत नदीम मिर्जा साहब (एडिटर जमाल नदीम), प्रसिद्ध टीचर्स संगठन के नेता ममताज हाशमी सर और अल–खैर मल्टी पर्पज फाउंडेशन के अध्यक्ष इंजीनियर अजहर इनामदार सर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी सफल छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गईं।

इस वर्ष चयनित छात्रों में महमूद शेख (बीड), शुऐब सलीम (पुणे), अकील पठान (बीड), इमरान पठान (उस्मानाबाद), सैयद जमीर (औरंगाबाद), रियाज पठान (बीड) और रिहान अब्दुल जब्बार (पुणे) शामिल हैं।

अल–खैर फाउंडेशन हर वर्ष पुलिस भर्ती की क्लासेस का आयोजन करता है, जिसमें छात्र उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हैं। छात्रों की शारीरिक (फिजिकल) ट्रेनिंग के लिए डॉ. शकील सर ने अथक मेहनत की, जबकि लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए 'ब्राइट करियर अकादमी' के मैनेजिंग डायरेक्टर पवार सर और सैयद सर के सहयोग से बेहतरीन ट्रेनिंग प्रदान की गई।

फाउंडेशन की सेवाओं पर प्रकाश डालते हुए साकिब सर ने बताया कि अल–खैर फाउंडेशन हर साल पुलिस भर्ती से पहले की ट्रेनिंग बेहद कम फीस पर उपलब्ध कराती है। जहाँ बाजार में ऐसी ट्रेनिंग पर लगभग २०,००० रुपये प्रति व्यक्ति खर्च होते हैं, वहीं यहाँ यह सुविधा बहुत कम फीस पर उपलब्ध है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर छात्र भी इसका लाभ उठा सकें। अब तक फाउंडेशन के माध्यम से ५० से अधिक छात्र सरकारी नौकरियों के लिए चयनित हो चुके हैं और यह सफलता का सफर भविष्य में भी जारी रहेगा।

अपने विचार व्यक्त करते हुए अरबाज पठान ने कहा, अल–खैर का संस्थान जो एक छोटे से पौधे से शुरू हुआ था, आज एक विशाल वृक्ष बन चुका है, और अब इस वृक्ष पर आप जैसे नवनिर्वाचित पुलिस अधिकारियों के रूप में फल लगना शुरू हो गए हैं।

कार्यक्रम का संचालन संस्था के सेक्रेटरी आमिर खान ने किया, जबकि उपाध्यक्ष रजी सर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष इंजीनियर अजहर इनामदार और फाउंडेशन के अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित थे।

यह कार्यक्रम अल–खैर फाउंडेशन की सामाजिक प्रतिबद्धता और युवाओं को सरकारी नौकरियों में स्थापित करने के प्रयासों का सुंदर उदाहरण है।

३८ वर्षों बाद गेवराई के छात्रों ने फिर से स्कूल भरा दिया!

गेवराई (काजी अमान) – फिर वही स्कूल, फिर वही घंटी, फिर वही क्लासरूम। पूरे ३८ वर्षों के बाद १९८८–८९ बैच के छात्र एक बार फिर अपनी पुरानी शाला में पहुँचे और मुख्याध्यापक प्रवीण पंडित सर की अध्यक्षता में स्नेहमिलन के रूप में स्कूल भर दिया।

गेवराई स्थित जिला परिषद माध्यमिक शाला में शुक्रवार, दिनांक ३ अप्रैल २०२६ को आयोजित इस कार्यक्रम में तत्कालीन शिक्षकों टी.डी. शिंदे, नारायणराव मोटे, दि.गो. मुंढे, आबासाहेब कराळे, नागरे सर, चव्हाण सर, श्रीमती शोभाताई देशमुख, खडके सर तथा राजकुमार पोपळघट, पत्रकार सुभाष मुळे आदि की उपस्थिति रही।

इन गुरुजनों का स्वागत मिलिंद मुळे, मुकेश बजाज, मनिष वाधवाणी, दीपक निकाळजे, प्रवीण कुलकर्णी, प्रशांत जाकीटे, समीर जाधव, गोविंद हिटनाळीकर, महेंद्र बाप्ते, डॉ. राजेश सिकची, प्रो. कैलास ठोंबरे, साईनाथ बेदरे, कैलास जवंजाळ, अशोक जायभाये, आनंद मंघारामणी आदि पूर्व छात्रों ने किया।

कार्यक्रम के दौरान सिने अभिनेता डॉ. सुधीर निकम, प्रकाश भुते तथा रामेश्वर चातुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन कृषि अधिकारी भरत कोरडे ने किया।

इस स्नेहमिलन में माजी नगराध्यक्ष प्रशांत भागवत, राजेंद्र गिरे, शंकर हाटोटे, श्रीकांत तौर, संतोष लखोटीया, राम जीजा चाळक, दीपक गोंडे, कल्पेश कालावडीया, दिलीप मंत्री सहित सभी पूर्व छात्र एकत्रित हुए और उन्होंने स्कूल को शैक्षणिक भेंट दी।

कार्यक्रम का प्रास्ताविक मुकुंद टाक ने किया। सभी उपस्थित पूर्व छात्रों ने अपने मनोगत व्यक्त किए और स्कूल के विकास के लिए अपनी सहभागिता जताई। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन भरत कोरडे ने किया, जबकि उपस्थित सभी अतिथियों और छात्रों के प्रति आभार ज्ञापन लोककला अभ्यासक शाहीर विलास सोनवणे ने किया।

यह आयोजन पूर्व छात्रों की एकता और अपनी मातृशाला के प्रति लगाव का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता है।

मेहनत और अवसर की कहानी: बीड के युवक आलम बशीर शेख, आलम पुढारीकी सफलता का सफर

मुंबई/तामीर न्यूज

महाराष्ट्र के बीड जिले के एक साधारण परिवार से आने वाले युवक आलम बशीर शेख की संघर्ष और सफलता की कहानी आज युवाओं के लिए प्रेरणा बनती जा रही है। आलम ने अपने जीवन की शुरुआत बेहद साधारण परिस्थितियों में की थी। वह मुंबई के मंत्रालय के सामने अपनी मारुति ८०० कार में कपड़े बेचने का काम करता था। सीमित साधनों के बावजूद उसके भीतर आगे बढ़ने की मजबूत इच्छा थी। धूप, बारिश और कठिन परिस्थितियों में भी वह रोज समय पर अपना काम करता था। उसकी मेहनत, ईमानदारी और नम्र व्यवहार ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इसी दौरान उसकी मुलाकात महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता विनोद तावडे से हुई। बताया जाता है कि तावडे ने उसकी स्थिति को समझा और मदद का हाथ बढ़ाया।

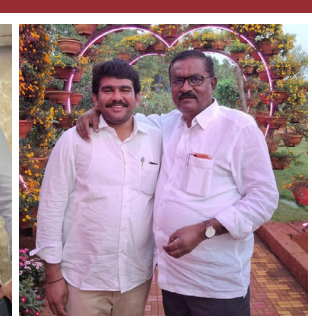

उसे बैंक से कर्ज और व्यवसाय के लिए जगह उपलब्ध कराने में सहयोग किया गया। इस अवसर ने आलम के जीवन की दिशा बदल दी। उसने इस मौके का पूरा लाभ उठाया और अपने काम को विस्तार देना शुरू किया। धीरे–धीरे उसका छोटा व्यवसाय एक स्थायी दुकान में बदल गया। आलम ने अपने ग्राहकों के साथ भरोसे का रिश्ता कायम किया।

उसकी पहचान आलम पुढारी के नाम से बनने लगी। समय के साथ उसका व्यवसाय लगातार बढ़ता गया। उसने अपने व्यापार को आधुनिक रूप देने की भी कोशिश की। बताया जाता है कि उसने अपने व्यवसाय के लिए एक वेबसाइट भी शुरू की। इस वेबसाइट का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर पंकजा मुंडे भी मौजूद थीं। यह उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। आलम का कहना है कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने अपनी मेहनत और ईमानदारी को ही सबसे बड़ा हथियार बनाया। ग्राहकों के साथ अच्छा व्यवहार उसकी खास पहचान बना। आज वह मंत्रालय क्षेत्र में एक स्थापित व्यवसायी के रूप में जाना जाता है। बताया जाता है कि उनका कारोबार काफी बड़े स्तर तक पहुंच चुका है। और उनकी सफलता की कहानी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। गांव से शहर तक का उनका सफर आसान नहीं था। कई बार उसे आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन उसने कभी हार नहीं मानी। उसकी कहानी यह साबित करती है कि छोटे काम से भी बड़ी शुरुआत हो सकती है। जरूरी है तो सिर्फ मेहनत और लगन। आलम का मानना है कि अवसर मिलने पर उसे पहचानना जरूरी होता है। उसने मिले अवसर को सही दिशा में उपयोग किया। आज वह कई लोगों के लिए रोजगार का माध्यम भी बन चुका है। उसकी सफलता से स्थानीय युवाओं में उत्साह देखा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए यह कहानी विशेष महत्व रखती है। यह संदेश देती है कि परिस्थितियां चाहे जैसी हों, आगे बढ़ा जा सकता है।

जरूरी है खुद पर विश्वास और निरंतर प्रयास। समाज में ऐसे कई उदाहरण हैं जो प्रेरणा देते हैं। आलम की कहानी भी उन्हीं में से एक है। ये कहानी सकारात्मक संदेश देती है। ईमानदारी और अनुशासन सफलता की कुंजी हैं। छोटे शहरों और गांवों से भी बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं। आलम बशीर शेख का सफर इसी का उदाहरण माना जा रहा है। यह कहानी बताती है कि सही मार्गदर्शन और प्रयास से जीवन बदला जा सकता है। आलम पुढारी कहते हैं कि इस सफर में आष्टी के आमदार सुरेश धस का भी उन्हें हर दम साथ रहा है! आलम ने हाल हि में मक्का मदीना का मुबारक सफ़र (उमराह) अपने फॅमेली के साथ किया इस अवसर पर दैनिक तामीर उन्हें मुबारकबाद पेश करता है।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, जलगांव एवं सद्भावना मंच द्वारा 'मस्जिद परिचय' और 'ईद मिलन' कार्यक्रम का आयोजन

जलगांव (अकिल खान ब्यावली): वैश्विक परिदृश्य में आज इंसान,इंसान का जिस प्रकार शत्रु बनता जा रहा है,उसने मानो पशुओं को भी लज्जित कर दिया है। देश की वर्तमान स्थिति भी कुछ संतोषजनक नहीं दिखाई देती। ऐसे समय में जमाअत-ए-इस्लामी हिंद पिछले कई वर्षों से अंतरधार्मिक सौहार्द और शांति के वातावरण को सुदृढ़ करने के लिए सतत प्रयासरत है। इसी क्रम में समाज में इस्लाम और मुसलमानों के संबंध में फैली भ्रांतियों को दूर करने तथा अंतरधार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जमाअत-ए-इस्लामी हिंद,जलगांव और सद्भावना मंच के संयुक्त तत्वावधान में शनि पीठ (काटिया फाइल) स्थित मस्जिद-ए-नूर में एक गरिमामय 'मस्जिद परिचय' एवं 'ईद मिलन'कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में शहर की महापौर दीपमाला काले,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितिन गुणापुरे, जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के सेवा विभाग के प्रांतीय सचिव अब्दुल समीय,जलगांव ज़िला मनियार बिरादरी के अध्यक्ष फारूक शेख, हिंदू धर्मगुरु पंडित विश्वनाथ जोशी, गोवर्धन ज्ञानी, ब्रह्माकुमारी संस्था से अश्विनी ताई,शनि पेठ पुलिस स्टेशन की पीआई श्रीमती कावेरी कमलाकर के प्रतिनिधि तथा शहर पुलिस स्टेशन के पीआई नितिन शिंदे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल प्रस्तुत की। सिख समाज से आए गोवर्धन सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ईश्वर हर धर्म में विद्यमान है, हम केवल उसे पुकारने के लिए अलग-अलग नामों का उपयोग करते हैं। ब्रह्माकुमारी संस्था की अश्विनी ताई ने भी धर्मों की शिक्षाओं और मानवता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। नासिक से पधारे वक्ता वाजिद अली खान ने मस्जिद के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, पैगंबर काल में मस्जिद को समाज में केंद्रीय स्थान प्राप्त था। यह केवल इबादत का स्थल नहीं, बल्कि न्याय प्रदान करने, गरीबों की सहायता करने, बेरोजगारों को सहयोग देने और जनसमस्याओं के समाधान का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। आज भी आवश्यकता है कि मस्जिदों को सामाजिक और कल्याणकारी कार्यों के केंद्र के रूप में सक्रिय किया जाए।

अध्यक्षीय संबोधन में अब्दुल समी ने इस्लाम की सहिष्णुता से जुड़े अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन वसीम हमीद ने अत्यंत सुंदर ढंग से किया। कार्यक्रम की सफलता के लिए जमाअत-ए-इस्लामी हिंद,जलगांव के स्थानीय अध्यक्ष डॉ. अब्दुल्ला शेख तथा उनकी पूरी टीम ने सराहनीय प्रयास किए।कार्यक्रम में शहर के विभिन्न वर्गों एवं समुदायों के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

दुःख की राख से फिर उठने के लिए 'हिमायत फाउंडेशन' का इंसानियत का हाथ; पिंजारी परिवार को ४५ हजार की मदद

काझी अमान / गेवराई

नियति का वार कब और कैसे आएगा, इसका कोई ठिकाना नहीं होता। अपनी मेहनत की पूंजी लगाकर खड़ा किया हुआ संसार और रोजी-रोटी का सहारा आंखों के सामने जलकर राख होते देखने का दर्द क्या होता है, यह शेख चांदभाई शेख हुसेन पिंजारी के परिवार से बेहतर शायद ही कोई जानता होगा। लेकिन इस मुश्किल वक्त में 'हिमायत फाउंडेशन' ने मदद का हाथ आगे बढ़ाकर इंसानियत का नमूना पेश किया है।

शेख चांदभाई गद्दी (मैट्रेस) कारखाने के व्यवसाय से अपने परिवार का पेट पाल रहे थे। घर में पहले से ही गरीबी चरम पर थी। इसके अलावा उनकी दो विधवा बेटियों के परिवार और उनके बच्चों के पालन-पोषण का बोझ भी इन्हीं बुजुर्ग दंपति के कंधों पर था।

१८ मार्च २०२६ को चांदभाई की पत्नी दुकान में काम कर रही थीं, तभी शॉर्ट सर्किट की वजह से अचानक भयंकर आग लग गई। कुछ ही मिनटों में पूरा दुकान, कच्चा माल और गल्ले की नकदी समेत सब कुछ जलकर राख हो गया। जीवन का सहारा बन चुके इस दुकान के जल जाने से पिंजारी परिवार पूरी तरह से हताश हो गया था। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की खबर मिलते ही सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहने वाले 'हिमायत फाउंडेशन' ने इस परिवार को फिर से खड़ा करने के लिए पहल की। शेख चांदभाई का दुकान दोबारा शुरू हो सके और उनकी रोजी-रोटी का सवाल हल हो सके, इसी मकसद से फाउंडेशन की ओर से उन्हें ४५,००० रुपये की आर्थिक मदद का चेक सौंपा गया।

इस मौके पर हिमायत फाउंडेशन के अध्यक्ष मुफ्ती उमर ईशाअती, पूर्व नगरसेवक सय्यद एजाज मेंबर, हाफिज अन्वर, मजहर बागवान, फहाद चाऊस, पत्रकार शेख इर्शाद, फाउंडेशन के सचिव शेख मुजीब, सहसचिव सय्यद शाकेर, सय्यद अब्दुल वाहेद, सोहेल पठाण, शेख निसार, शहेनशाह पठाण, लुकमान खान, जिशान खान, सय्यद गुफरान, मुजाहेद पठाण आदि मान्यवर उपस्थित थे। एक गरीब परिवार का हंसता-खेलता घर आग ने छीन लिया, ऐसे समय में उन्हें सिर्फ सांत्वना की नहीं बल्कि मजबूत सहारे की जरूरत थी। उसे पूरा करने की कोशिश हमने की है, इस मौके पर फाउंडेशन के अध्यक्ष मुफ्ती उमर ईशाअती ने अपनी भावना व्यक्त की। हिमायत फाउंडेशन की इस मदद से पिंजारी परिवार की आंखों से आंसू बहते हुए कृतज्ञता जताई जा रही थी।

अशोक खरात सीडीआर विवाद पर हिंदी अनुवाद

सुषमा अंधारे का दमानिया पर हमला

जमीर काझी, मुंबई

लिंग पिशाच अशोक खरात के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत विभिन्न राजनेताओं के फोन कॉल डिटेल्स (सीडीआर) सार्वजनिक करने वाली सामाजिक कार्यकर्ता अंजली दमानिया विवादों के घेरे में आ गई हैं। इससे माहौल गरम हो गया है और शिवसेना (ठाकरे गुट) की उपनेत्री सुषमा अंधारे ने दमानिया पर जोरदार हमला बोला है।

ऐसा कौन सा ऐप है जिसमें नंबर डालते ही सीडीआर निकल आता है? यह सवाल उठाते हुए उन्होंने उन्हें घेर लिया है।

अशोक खरात मामले पर बोलते हुए दमानिया ने शनिवार को बड़ा दावा किया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अशोक खरात के बीच १७ बार फोन कॉल्स हुए थे। उन्होंने एआई से जानकारी ली होने का अजीब जवाब दिया।

अंधारे ने अंजली दमानिया पर ट्वीट करते हुए कहा:

तुम्हारी तरफ या तुम्हारे खिलाफ बोलने से फायदा-नुकसान या चर्चा होती है, ऐसे किसी भ्रम में मत रहना। अतीत के एक स्वयंभू समाज सुधारक की तुम सुधरी हुई वर्जन हो, यह अब सबको पता चल ही गया है।

उन्होंने आगे कहा, मैंने तुमसे बिल्कुल मुद्दे के सवाल पूछे हैं। रूपाली चाकणकर की आर्थिक अपराध शाखा से जांच होनी ही चाहिए। इस मामले से जुड़ा कोई भी हो, किसी की भी गय न हो, यही मेरा स्टैंड है। लेकिन यह सब बोलते हुए तुमने मूल सवाल को टाल दिया। तुम्हें सीडीआर किसने दिया? ऐसा कौन सा ऐप है जिसमें नंबर डालने पर इनकमिंग-आउटगोइंग कॉल, ड्यूरेशन आदि सारी जानकारी मिल जाती है? वह कौन सा शख्स है जिसकी बात पर तुमने इतना भरोसा किया? इन सवालों को क्यों टाल रही हो?

जब भाजपा का मामला आता है तो तुम्हारे दोस्त, उनके नाते-रिश्ते, सुख-दुख के कार्यक्रमों में तुम कैसे व्यस्त हो जाती हो? और बाकी समय तुम दुबई, अमेरिका, आसाम या कहीं भी हो, अचानक प्रकट हो जाती हो?

इस ट्वीट में अंधारे ने दमानिया पर तीखा हमला बोला और टोला लगाया।

सीडीआर लीक की जांच होगी: मुख्यमंत्री

इस बीच, नासिक में बोलते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस सीडीआर पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरीके से सीडीआर हासिल करने का किसी को अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल जांच एजेंसियों को है। इसलिए यह सीडीआर लीक कैसे हुआ, इसकी जांच की जाएगी।

वास्तविक घटना में अंजली दमानिया ने दावा किया कि अशोक खरात का सीडीआर उन्हें व्हाट्सएप पर किसी अज्ञात नंबर से मिला था। उन्होंने इसे सार्वजनिक कर शिंदे समेत कई नेताओं के साथ कॉल्स की जानकारी दी, जिससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। मुख्यमंत्री ने लीक की जांच का ऐलान किया है।

उर्दू स्कूलों के लिए अलग केंद्रप्रमुख पद देने की मांग, अखिल महाराष्ट्र उर्दू शिक्षक संघ का आयुक्त को ज्ञापन

रिपोर्ट: काजी अमान

गेवराई: अखिल महाराष्ट्र उर्दू शिक्षक संघ की ओर से राज्य के उर्दू माध्यम स्कूलों के प्रशासनिक और शैक्षणिक मुद्दों को लेकर शिक्षा आयुक्त को एक महत्वपूर्ण ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है। इस ज्ञापन में जिले में मौजूद उर्दू स्कूलों की संख्या को ध्यान में रखते हुए अलग समूह साधन केंद्र समन्वयक (केंद्रप्रमुख) पद निर्धारित करने की मांग संघ के जिला पदाधिकारी हाजी अलीमोद्दीन ने की है।

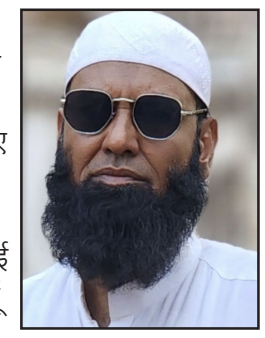

संघ द्वारा आयुक्त को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि शासन के निर्णय अनुसार राज्य के स्कूलों के लिए समूह साधन केंद्रों की संरचना की गई है, लेकिन उर्दू माध्यम के स्कूलों के लिए अलग से केंद्रप्रमुख की नियुक्ति कई जिलों में अब तक नहीं की गई है। इसके कारण उर्दू स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रशासनिक कार्य पर असर पड़ रहा है, यह बात ज्ञापन में विशेष रूप से उजागर की गई है।

साथ ही, विभागीय परीक्षाओं और पदोन्नति प्रक्रिया में उर्दू माध्यम के शिक्षकों को न्याय मिले, इसके लिए ५० प्रतिशत पद पदोन्नति के लिए और ५० प्रतिशत पद विभागीय परीक्षा के लिए आरक्षित रखने के शासन निर्णय का सख्ती से पालन करने की मांग भी की गई है।

संघ ने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ जिलों में उर्दू स्कूलों की संख्या अधिक होने के बावजूद केंद्रप्रमुख के पद निर्धारित करने में असमानता दिखाई देती है। इसलिए सभी जिला परिषदों को विशेष आदेश जारी कर उर्दू माध्यम के लिए अलग समूह साधन केंद्रप्रमुख पद तय किए जाएं, ऐसी मांग की गई है।

संघ ने सरकार से इस मामले में तुरंत सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा व्यक्त की है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com